भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3565
जिसका उत्तर दिनांक 02.01.2019 को दिया जाना है

गोरखपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र

3565. श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हरियाणा के फतेहाबाद जिले के गोरखपुर ग्राम में गोरखपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र (जीएपीपी) संबंधी कार्य की वर्तमान स्थिति क्या है ;

(ख) पूर्वोक्त परमाणु ऊर्जा संयंत्र (एनपीपी) के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रियाओं की वर्तमान स्थिति क्या है ;

(ग) उक्त पारियोजना के चरण-एक को पूर्ण करने की लक्षित तिथि क्या है;

(घ) सरकार द्वारा इस संबंध में अब तक कितना निवेश किया गया है और उक्त परियोजना पर अब तक कुल कितनी लागत आने की संभावना है और इस एनपीपी से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कुल कितने रोजगार सृजित होने की संभावना है; और

(ङ) पूर्वोक्त क्षेत्र में परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) द्वारा कॉर्पोरेट-सामाजिक दायित्व के क्या कार्य शुरू किए गए हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) वर्तमान में, गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना (जीएचएवीपी)-यूनिट 1 तथा 2 (2X700 मेगावाट) में खुदाई का कार्य प्रगत चरण पर, प्रगति पर है । एंड शील्डों तथा वाष्प जनित्रों जैसे दीर्घ सुपर्दगी उपस्करों के लिए कार्य आदेश जारी किए जा चुके हैं । मुख्य संयंत्र सिविल कार्य तथा कई अन्य पैकेजों के लिए निविदा प्रक्रिया विभिन्न चरणों पर हैं ।

(ख) हरियाणा में गोरखपुर स्थल पर भूमि अधिग्रहण पूरा हो चुका है ।

(ग) दो यूनिटों जीएचएवीपी -1 तथा 2 (2X700 मेगावाट) वाली परियोजना का पहला चरण 2025 में पूरा होने का अनुमान है ।

(घ) नवंबर, 2018 तक परियोजना पर ₹ 1484 करोड़ का व्यय किया गया । परियोजना की अनुमोदित पूर्णता लागत ₹ 20594 करोड़ है । प्रचालनरत होने पर परियोजना से लगभग 2000 व्यक्तियों के लिए रोजगार (प्रत्यक्ष या परोक्ष) पैदा होने की आशा है । इसके अतिरिक्त, ठेकेदारों/वेंडरों तथा स्थल पर आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि के फलस्वरूप पैदा होने वाले वाणिज्यिक अवसरों से रोजगार की भारी संभावनाएं हैं । निर्माण के दौरान, भारी संख्या में ठेकेदार की मानव शक्ति को रोजगार दिया जाता है (शीर्ष पर लगभग 8000 व्यक्तियों वाले बैल कर्व को अपनाते हुए) ।

(ङ) परमाणु ऊर्जा विभाग (पऊवि) के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम, न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल), कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसरण में, निगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत, अपने नाभिकीय विद्युत संयंत्रों और उसके आस पास के क्षेत्रों में, कौशल विकास सहित शिक्षा; स्वास्थ्य तथा साफ-सफाई; संरचनात्मक विकास तथा पर्यावरणीय संधारणीयता, इन चार मुख्य क्षेत्रों में कल्याणकारी गतिविधियाँ करता है। जीएचएवीपी में निगम सामाजिक दायित्व कार्यक्रम के तहत की गई मुख्य पहल में, छात्रवृत्ति प्रदान करने के माध्यम से मेधावी छात्रों को सहायता, शैक्षणिक सहायता, क्षेत्र में संपर्क सड़कों का निर्माण, विद्यालयों तथा सार्वजनिक स्थलों पर शौचालयों का निर्माण, जिनमें कुछ पंचायतें तथा विद्यालयों के मिड-डे मील शेल्टर भी हैं, शामिल हैं। स्थानीय लोगों द्वारा बताई गई आवश्यकता के मद्देनज़र, गायों के लिए बाड़ों के निर्माण तथा गौशालाओं के नूतनीकरण के लिए विशेष प्रयास किए गए। क्षेत्र के दिव्यांगों के लिए सहायक साधन उपलब्ध कराना मुख्य कार्यक्रमों में से एक था। गोरखपुर में, निगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत चलते रहने वाले कल्याणकारी कार्यक्रमों के रूप में, विद्यालयों में शौचालय ब्लॉकों के निर्माण का संवर्धन, गोरखपुर राज्य स्टेडियम में व्यायामशाला के लिए उपकरण उपलब्ध कराना, पेयजल टंकियों का निर्माण आदि कार्यों की पहचान की गई है।

******